4 जुलाई
अमेरिका के 232वें जन्मदिन पर जश्न

राजदूत डेविड सी. मल्फ़र्ड के आवास रूज़्वेल्ट हाउस, नई दिल्ली में 4 जुलाई को अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस के समारोह में विदेश मंत्री प्रणव मुखर्जी (1) भी शामिल हुए। नई दिल्ली स्थित अमेरिकन सेंटर में 3 जुलाई को सृष्टि साहनी और अन्य अतिथियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद के प्रत्याशियों के कटआउटों और ''अंकल सैम'' के साथ फोटो खिंचाए (2)। अंकल सैम के वेष में जॉन टूल थे। चेन्नई में कांसुल जनरल डेविड टी. हूपर के आवास पर अतिथियों ने तरह-तरह की अमेरिकी फुलझड़ियां (3) चलाईं। 4 जुलाई के उत्सव के मौके पर मुम्बई ग्रैंड हयात में हैप्पी होम स्कूल फॉर द ब्लांइड के संगीतवृन्द (4) की प्रस्तुति हुई। यह निवर्तमान कांसुल जनरल माइकल एस. ऑवेन की अध्यक्षता में आखिरी आधिकारिक समारोह था। कोलकाता में भी 3 जुलाई को कांसुल जनरल हेनरी वी. जार्डिन ने हयात रीजेंसी होटल में 400 अतिथियों की मेजबानी की।

हेमंत भटनागर

1

2

बी. वी. योगाचार

3

हेमंत भटनागर

4

समाचार गुलदस्ता

फोटो: अमेरिकी वित्त विभाग

भारतीय मूल के अमेरिकी नील कशकरी अमेरिकी वित्त विभाग में अंतरराष्ट्रीय मामलों के असिस्टेंट सेक्रेटरी बनाए गए हैं। अमेरिकी सेनेट ने उनके नाम पर अपनी स्वीकृति दे दी है। इससे पहले वह अमेरिकी वित्त मंत्री हेनरी पॉलसन के सलाहकार थे। कशकरी का कहना है, ''भारत के साथ विशेषकर पांच क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की अहम संभावनाएं हैं: इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश, वित्तीय क्षेत्र का उदारीकरण, द्विपक्षीय निवेश फ्रेमवर्क को प्रोत्साहन, स्वच्छ प्रौद्योगिकी में निवेश और बहुपक्षीय व्यापार को प्रोत्साहन।'' इंजीनियरिंग में स्नातक कशकरी व्हार्टन स्कूल ऑफ़ फ़ाइनेंस से एम.बी.ए. हैं। इससे पहले वह वैमानिकी अंतरिक्ष इंजीनियर के रूप में नासा के भविष्य के मिशनों के लिए प्रौद्योगिकी विकसित करने पर काम कर चुके हैं।

सना रऊफ

मटनटाउन, न्यूयॉर्क की 17 वर्षीय सना रऊफ ने मई में अटलांटा, जॉर्जिया में आयोजित संसार के सबसे बड़े छात्र विज्ञान मेले के शीर्ष पुरस्कारों में से एक, इंटेल फाउंडेशन की 50,000 डॉलर की छात्रवृत्ति जीती। नई दिल्ली और कश्मीर से अमेरिका गए माता-पिता की इस संतान को मैथमैटिकल नॉट थ्योरी में शोध के लिए पुरस्कार मिला है। यह शोध प्रोटीनों और डीएनए के गुथने जैसी कुछ शास्त्रीय जैवरासायनिक समस्याओं के हल में सहायक हो सकता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ़ मिनेसोटा की पीएचडी की छात्रा, फुलब्राइट अध्येता जेसिका बर्टनेस बेंगलूर के सेंटर फ़ॉर इकॉलॉजिकल साइंसेज़ के राघवेन्द्र गडगकर के निर्देशन में एशियाई मधुमक्खियों के वारोआ माइट से बचे रहने की प्रक्रिया का अध्ययन कर रही हैं। यह कीट अमेरिका में मधुमक्खी पालन उद्योग के लिए सबसे बड़ा खतरा है। जेसिका बर्टनेस पुणे, महाराष्ट्र स्थित सेंट्रल बी रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट भी गईं।

जैकी ब्लोट